आचार्य विद्यासागर सुधा सागर जैन शोधपीठ
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

जैन दर्शन में प्रमाण-पत्र एवं डिप्लोमा

(Certificate & Diploma in Jain Philosophy)

Programme Code – CJP/DJP

उद्देश्य ¼Objectives½

- जैन आगम तथा प्राकृत, अपभ्रंश जैन ग्रंथ भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- विकसित भारत में योगदान एवं राष्ट्रीय एकता की भावना प्रदान करना।
- लोकभाषा, लोकजीवन और लोकचेतना एवं मनुष्य जीवन को गरिमा प्रदान करना।
- सम्पूर्ण जीव के प्रति वात्सल्य और धार्मिक स्वतंत्रता को समझना।
- गुण ग्रहण का भाव रुपी भावना को साकार करना।
- अप्रकाशित जैन साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नये आयाम उजागर करना।
- जैन वास्तु, आयुर्वेद, भूगोल-खगोल, योग, ज्योतिष, गणित तथा इतिहास अनेक कलाओं का प्रचार प्रसार करना।

प्रवेश योग्यता ¼Admission eligibility½ :किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष, कनिष्ट उपाध्याय/वरिष्ट उपाध्याय(11$12) स्नातक(शास्त्री/बी0ए0/बी0एस0सी0 /बी0कॉम0),परास्नातक(आचार्य/एम0ए0/ एम0एस0सी0/एम0कॉम)

अवधि ¼Duration½ : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम¼Medium½ :हिन्दी, प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत (जैन ग्रंथ भाषा)

श्रेयांक ¼Credit½ : 48 क्रेडिट (01 सर्टिफिकेट)
96 क्रेडिट (डिप्लोमा)

फीस : ₹2500 (1 प्रतिवर्ष)

मोड : ऑनलाइन/ऑफलाइन

जैन दर्शन पाठ्यक्रम

1. जैन दर्शन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।
2. जैन दर्शन डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

पाठ्यक्रम परीक्षा प्रश्न पत्र

1. जैन दर्शन सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए वर्ष में 02 बार परीक्षा होगी एवं प्रत्येक सर्टिफिकेट में 08 प्रश्न पत्र होगें।
2. प्रत्येक 01 वर्ष में 08 प्रश्न-पत्र पास करने पर 48 क्रेडिट और 01 प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।
3. सर्टिफिकेट के लिए 01 वर्ष में 08 प्रश्न-पत्र एवं सम्पूर्ण डिप्लोमा के लिए 02 वर्ष में 16 प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण करने होंगे।
4. 01 सर्टिफिकेट का पाठ्यक्रम 01 वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। सर्टिफिकेट को पूरा करने की निम्न समय अवधि 01 वर्ष और अधिकतम 02 वर्ष है।
5. डिप्लोमा के लिए कुल 02 सर्टिफिकेट (16 पाठ्यक्रम) 02 वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। डिप्लोमा को पूरा करने की निम्न समय अवधि 02 वर्ष और अधिकतम 04 वर्ष है।

कार्यक्रम संरचना¼Programme Structure½:- इस कार्यक्रम में निम्नलिखित सर्टिफिकेट के लिए 08 पाठ्यक्रम और डिप्लोमा के लिए 16 पाठ्यक्रम हैं-

प्रथम वर्ष (1st Year) प्रथम सेमेस्टर- छह सेमेस्टर –छह माह

जैनदर्शन/Jain philosophy

Program code - CJP

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	CCJP101T	जैनधर्म का सामान्य परिचय	CJP01	6
2	CCJP102T	कल्याणकारी भावना	CJP01	6
3	CCJP103T	मोक्षमार्ग का स्वरूप	CJP01	6
4	CCJP104T	छहढाला ग्रन्थ	CJP01	6

द्वितीय सेमेस्टर – छह माह

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	CCJP201T	जैनधर्म का बृहत परिचय	CJP01	6
2	CCJP202T	समाधि-संल्लेखना	CJP01	6
3	CCJP203T	जैन-भूगोल	CJP01	6
4	CCJP204T	तत्वार्थसूत्र ग्रन्थ	CJP01	6

द्वितीय वर्ष (2nd Year) प्रथम सेमेस्टर – छह माह

जैनदर्शन/Jain philosophy

Program code - DJP

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	DDJP301T	तीर्थंकर महावीर स्वामी की आचार्य परम्परा	DJP01	6
2	DDJP302T	प्रथमाचार्य शान्तिसागर जी की परम्परा	DJP01	6
3	DDJP303T	तत्त्व-ज्ञान स्वरूप	DJP01	6
4	DDJP304T	श्रावकाचार	DJP01	6

द्वितीय सेमेस्टर –छह माह

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	DDJP401T	कल्याणकारी नीतिवाक्य	DJP01	6
2	DDJP402T	आचार्य कुन्दकुन्द का परिचय	DJP01	6
3	DDJP403T	जैन न्याय	DJP01	6
4	DDJP404T	आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज का व्यक्तिव एवं कृतित्व	DJP01	6

परीक्षा पद्धति ¼Examination Pattern½

न्यूनतम अवधि (01वर्ष) समाप्त होने के उपरान्त विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 3 घण्टे (दो प्रश्न-पत्र) का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी

गोल्ड मेडल	:	100 प्रतिशत
प्रथम श्रेणी	:	60 प्रतिशत एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	:	48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	:	36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम

पाठ्यक्रम का नाम ¼Name of Course½ **जैनदर्शन / Jain philosophy**

Program code **CJP**

प्रथम वर्ष (1st Year) प्रथम सेमेस्टर- छह माह

प्रथम प्रश्न-पत्र

जैन धर्म का सामान्य परिचय (CCJP101T).

इकाई-1 जैनधर्म का उद्भव एवं विकास

इकाई-2 मूल मन्त्र णमोकार एवं उनमें पंच परमेष्टियों का स्वरूप तथा मूलगुण

इकाई-3 नवदेवताओं का स्वरूप एवं सामान्य परिचय

इकाई-4 चार अनुयोगों का सामान्य परिचय

Texts/Reference	जैनतत्व विद्या-मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज, प्रकाशन-भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली जैनदर्शन-पं. महेन्द्र कुमार जैन 'न्यायाचार्य, प्रकाशन-गणेश वर्णी शोध संस्थान, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

कल्याणकारी भावना (CCJP102T) :

इकाई-1 बारह भावना का स्वरूप एवं अर्थ

इकाई-2 मेरी भावना

इकाई-3 सोलह कारण भावनाओं का स्वरूप एवं फल

इकाई-4 नैतिक शिक्षा भाग-1

तृतीय प्रश्न -पत्र

मोक्ष मार्ग का स्वरूप (CCJP103T) :

इकाई-1 रत्नत्रय का स्वरूप व उनके भेद

इकाई-2 सम्यकदर्शन की महिमा

इकाई-3 कर्मों के भेद उनका स्वरूप

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

छहढाला ग्रन्थ (CCJP104T) :

इकाई-1 सम्पूर्ण छहढाला ग्रन्थ

Texts/Reference	छहढाला-पं. दौलतराम जी, प्रकाशक-सांगानेर, जयपुर

पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) **जैनदर्शन / Jain philosophy**

Program code **CJP**

प्रथम वर्ष (1st Year) द्वितीय सेमेस्टर- छह माह

प्रथम प्रश्न-पत्र

जैनधर्म का वृहत परिचय: (CCJP201T) :-

इकाई-1 चैबीस तीर्थंकरो का सामान्य परिचय
इकाई-2 प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव का परिचय
इकाई-3 जैन पर्व दशलक्षण उनके भेद और परिचय
इकाई-4 जैन आहारचर्या (श्रमण और श्रावक)
इकाई-5 जैन सम्प्रदाय एवं उनके भेद

द्वितीय प्रश्न पत्र

समाधि-संल्लेखना : (CCJP202T) :-

इकाई-1 समाधि तंत्र-(चयनितअंश)
इकाई-2 संल्लेखना / संथारा
इकाई-3 अंतिम संस्करा सम्पूर्ण ग्रन्थ

तृतीय प्रश्न-पत्र

जैन-भूगोल : (CCJP203T) :-

इकाई-1 ऊर्ध्वलोक
इकाई-2 मध्यलोक
इकाई-3 अधोलोक
इकाई-4 स्वर्ग-नरक का स्वरूप का वर्णन

चतुर्थ प्रश्न पत्र

तत्वार्थसूत्र ग्रन्थ (CCJP204T) :-

इकाई-1 तत्त्वार्थसूत्र सम्पूर्ण ग्रन्थ

Texts/Reference	तत्वार्थ सूत्र ग्रन्थ - मुनि श्री प्रणम्यसागर जी- प्रकाशक-भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली

पाठ्यक्रम का नाम ¼Name of Course½ **जैनदर्शन / Jain philosophy**

Program code **DJP**

द्वितीय वर्ष (2nd Year) **प्रथम सेमेस्टर- छह माह**

प्रथम प्रश्न-पत्र

तीर्थंकर महावीर स्वामी की आचार्य परम्परा (DDJP301T) :-

इकाई-1 तीर्थंकर महावीर का जीवन परिचय

इकाई-2 गणधर, समवशरण, शिष्य एवं निर्वाण

इकाई-3 तीर्थंकर महावीर के दार्शनिक सिद्धांत

द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रथामाचारी शान्तिसागर जी की परम्परा (DDJP302T):-

इकाई-1 आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई-2 आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई-3 आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

तृतीय प्रश्न पत्र

तत्त्वज्ञान स्वरूप (DDJP303T):-

इकाई-1 द्रव्य संग्रह (चयनित अंश)

चतुर्थ प्रश्न पत्र

श्रावकाचार (DDJP304T):-

इकाई-1 सम्यक् चारित्र-अधिकार (रत्नकरण्ड)

पाठ्यक्रम का नाम ¼Name of Course½ **जैनदर्शन / Jain philosophy**

Program code **DJP**

द्वितीय वर्ष (2nd Year) **द्वितीय सेमेस्टर- छह माह**

प्रथम प्रश्न-पत्र

कल्याणकारी नीति वाक्य (DDJP401T) :-

इकाई-1 इष्टोपदेश सम्पूर्ण ग्रन्थ

द्वितीय प्रश्न पत्र

आचार्य कुन्दकुन्द (DDJP402T):-

इकाई-1 आचार्य कुन्दकुन्द का परिचय

इकाई-2 आचार्य कुन्दकुन्द रचनाओं का सामान्य परिचय

तृतीय प्रश्न पत्र

जैन न्याय (DDJP403T):-

इकाई-1 जैन न्याय का उद्भव एवं विकास

इकाई-2 जैन न्याय के प्रमुख आचार्य

इकाई-3 परीक्षामुख ग्रन्थ (चयनित अंश)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व (DDJP404T):-

इकाई-1 आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई-2 आचार्य विद्यासागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई-3 आचार्य समयसागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई-4 निर्यापक श्रमण मुनिश्री सुधासागर जी महाराज का व्यक्तित्व एवं कृतित्व